IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 3, November 2022
Impact Factor: 6.252

निजी बैंकों का विकास एवं वैधानिक व्यवस्था का एक अध्ययन (रीवा जिले के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. मनीष कुमार शुक्ला[1] and अनुराग तिवारी[2]

प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[1]

शोधार्थी, वाणिज्य संकाय, शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)[2]

शोध सारांशः प्रस्तुत शोध पत्र रीवा जिले के लिए जिले के निजी बैंक यथा आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, एच.डी. एफ.सी. बैंक व ऐक्सिस बैंक भी ठीक उसी प्रकार साख सृजन का निर्माण कर रहे हैं, जिस प्रकार राष्ट्रीयकृत या सार्वजनिक बैंक। अंतर केवल इतना है कि सार्वजनिक बैंकों का लोगों में विश्वास पहले से जमा हुआ है। नए–नए बैंकों में विश्वास जमने में कुछ समय लगता है। किन्तु हमें यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि रीवा जिले के इन बैंकों ने अब अपनी पैठ अच्छी मजबूती के साथ रीवा के व्यावसायिक एवं औद्योगिक जगत में जमा ली है। केवल यह कार्य शहरी क्षेत्र (केवल रीवा व मैहर तहसील) में अधिक हुआ है क्योंकि अभी इन बैंकों की शाखाएँ रीवा के अन्य क्षेत्रों में अर्थात् कस्बों/तहसीलों/ब्लाक व गाँवों में नहीं हैं। किन्तु ग्रामीण जन भी इन बैंकों में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बराबर दस्तक दे रहे हैं क्योंकि सरकारी बैंक निरंकुश हो गए हैं, एकाधिकारी प्रवृत्ति पनपने लगी है, नौकरशाही पर सरकारी छाया दिखने लगी है। ये बैंक जानते हैं कि हमारा तो इतना बड़ा नेटवर्क है, हमारा व्यवसाय या कामकाज कुछ गाँवों में नहीं भी होगा तो क्या बिगड़ जाएगा या हमारी लाभार्जन क्षमता पर कौन–सा विशेष प्रभाव पड़ेगा।

मुख्य शब्दः निजी बैंक, विकास, वैधानिक, व्यवस्था, पूँजी आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. मिश्रा, डॉ. जे.पी., समष्टि अर्थशास्त्र एवं मुद्रा और बैंकिंग, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, वर्ष 2021,

[2]. यादव, डॉ. सुकेश एवं सक्सेना, डॉ. सविता, शैच्छिक अनुसंधान विधियाँ एवं शैक्षिक, साहित्य प्रकाशन, आगरा 2017

[3]. राठी, एम.जी., व्यावसायिक अर्थशास्त्र, सतीश प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, इन्दौर 2018 पृष्ठ क्रमांक 357 से 368

[4]. रे एवं शर्मा, सांख्यिकी विधियां, रामप्रसाद एण्ड संस, आगरा 2006

[5]. वार्ष्णेय, पी.एन., बैंकिंग विधि एवं व्यवहार, सुल्तान चन्द एण्ड संस, नई दिल्ली, 2020

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 3, November 2022
Impact Factor: 6.252

[6]. शुक्ल, डॉ. एस.एम. एवं सहाय, डॉ. शिवपूजन, सांख्यिकी के सिद्धांत, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा, 2018

[7]. शर्मा, डॉ. हरिश चन्द्र, बैंकिंग विधि एवं व्यवहार, एसबीपीडी. पब्लिशिंग हाउस, आगरा, 2019

[8]. सिंह, केवल कृष्ण, भारतीय अर्थशास्त्र,

[9]. सिन्हा, डॉ. वी.सी., मुद्रा एवं बैंकिंग, स.बी.पी.डी., सन् 2019 पृष्ठ क्रमांक 147,

[10]. सिन्हा, डॉ. वी.सी. और डॉ. पुष्पा, मुद्रा एवं बैंकिंग, एस.बी.पी.डी. पब्लिशिंग हाउस आगरा, 2019–2020

[11]. योजना पत्रिका के विभिन्न अंक।

[12]. कुरूक्षेत्र पत्रिका के विभिन्न अंक।